



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 276]  
No. 276]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, जून 23, 2005/आषाढ़ 2, 1927  
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 23, 2005/ASADHA 2, 1927

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय  
(स्वास्थ्य विभाग)  
शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 23 जून, 2005

सा.का.नि. 417(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में पृष्ठ 1-40 पर प्रकाशित भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 388(अ) दिनांक 25-6-2004 [खाद्य अपमिश्रण निवारण (पहला संशोधन) नियमावली, 2004] और भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित शुद्धिपत्र संख्या सा.का.नि. 809(अ) दिनांक 14-12-2004 के साथ पठनीय :—

पृष्ठ 25 पर—

नियम 1 (2) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“नियम 4, 6 और 7 जो अपने प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष के बाद लागू होंगे, को छोड़कर ये राजकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे और नियम 13 और 14, 21-9-2005 को लागू होंगे।”

[फा.सं. पी. 15025/44/2002-पी एच (एफ)]

रीता तेवतिया, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 23rd June, 2005

G.S.R. 417(E).—In the notification of Government of India, Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 388(E) dated 25-6-2004, [Prevention of Food Adulteration (1st Amendment) Rules, 2004] published in Part II, Section 3, Sub-section (i) at page 1-40 of the Gazette of India, Extraordinary and read with Corrigendum number G.S.R. 809(E) dated 14-12-2004 published in Part II, Section 3, Sub-section (i) at page 1-2 of the Gazette of India, Extraordinary :—

At page 25—

For Rule 1 (2), the following shall be substituted, namely :—

“(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette except rules 4, 6 and 7, which shall come into force after the expiry of one year from the date of their publication and rules 13 and 14, which shall come into force on 21-9-2005.”

[F. No. P. 15025/44/2002-PH(F)]

RITA TEAOTIA, Jt. Secy.